हादसा | एनएच 30 पर दर्दनाक हादसा, मंडला में रफ्तार का कहर, हाईवे मार्ग के बीच में खड़ा था ट्रॉला

बाइक से घर लौट रहे युवक की खड़े ट्रॉला से टकराकर मौत

मंडला, नवभारत। मंडला से रायपुर नेशनल हाईवे-30 पर एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहाँ एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जाता है कि घटना उस समय हुई जब युवक अपनी बाइक से किसी काम से ग्राम पदमी की तरफ गया था, वहां लौटते समय हादसे का शिकार हो गया और युवक की मौत हो गई।

जानकारी अनुसार युवक अपनी बाइक पर सवार होकर नेशनल हाईवे 30 स्थित ग्राम पदमी किसी काम से गया हुआ था। वहां से वापस युवक अपने घर के लिए निकला, इसी दौरान नेशनल हाईवे-30 पर सड़क पर खड़े एक भारी-भरकम ट्रॉला से उसकी बाइक की सीधी और जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

मौके पर ही तोड़ दिया दम

इस भयानक टक्कर के कारण युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और अत्यधिक चोट आने की वजह से उसने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मृतक की पहचान ग्राम मुरुमखाप निवासी पंकज उइके (24) पिता पुरुषोत्तम उइके के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई व जांच शुरू कर दी है। हाईवे पर सुरक्षा और खड़े वाहनों को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

बंजारी घाट के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 50 मीटर तक घसीटा, दो घायल

भुआ बिछिया। जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। भुआ बिछिया अंतर्गत आने वाले बंजारी घाट के पास बीती रात एक और दर्दनाक सड़क दुर्घटना सामने आई है। यहाँ एक बेहद तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने सामने से आ रही एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक कार को टक्कर मारने के बाद सड़क पर करीब 50 मीटर की दूरी तक घसीटते हुए ले गया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे के तुरंत बाद दुर्घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को भांपते हुए आरोपी ट्रक चालक मौके पर ही अपना वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

बताया गया कि इस भीषण भिड़ंत में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की आवाज सुनकर हाईवे से गुजर रहे अन्य राहगीर और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। घटना की सूचना तत्काल भुआ बिछिया पुलिस और 108 एम्बुलेंस को दी गई।

सीएचसी बिछिया में उपचार जारी

मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला गया। दोनों घायलों को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

पुलिस कर रही फरार चालक की तलाश

बिछिया पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाकर किनारे करवाया ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित न हो। पुलिस ने अज्ञात फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और ट्रक को जब्त कर चालक की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बंजारी घाट के तीखे मोड़ों और तेज रफ्तार के कारण इस क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिस पर प्रशासन को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

घरों से मोबाइल उड़ाने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, 6 स्मार्टफोन बरामद

मंडला। जिला मुख्यालय की कोतवाली पुलिस ने शहर में सक्रिय मोबाइल चोरों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के 6 कीमती मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

जानकारी अनुसार मंडला जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से रात के समय चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने सघन पतासाजी शुरू की और साइबर सेल की मदद से तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की पहचान मयंक श्रीवास पिता भद्दूलाल श्रीवास के रूप में हुई है, जो मूल रूप से चिरईडोंगरी बम्हनी का निवासी है और वर्तमान में स्वामी सीताराम वार्ड, मंडला में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी कर ली है। इस कार्रवाई में एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के नेतृत्व में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान, सउनि भुवनेश्वर वामनकर, वंदना नाग, प्रधान आरक्षक मोहन कुडापे, आरक्षक रमेश, प्रियांश, मृदुल एवं यमुना की मुख्य भूमिका रही।

सुख आते ही भगवान को भूल जाता है मनुष्य

भुआ बिछिया। संकुल क्षेत्र भीमड़ोगरी अंतर्गत आने वाले ग्राम नेवसा में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की अविरल रसधारा बह रही है। राजपूत परिवार द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा के दौरान समूचा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो गया है। कथा के छठे दिन महाराज आचार्य मिथिलेश मिश्रा ने कई दिव्य और मर्मस्पर्शी प्रसंगों की व्याख्या की, जिसे सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

कथा के दौरान पूज्य आचार्य ने जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझाते हुए कहा कि संसार में सात दिन ही बने हैं, जिसमें जन्म और मृत्यु दोनों निश्चित है, आठवां दिन किसी का नहीं होता। महाराज जी ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में सुख आते ही, वह सबसे पहले ईश्वर को ही भूल जाता है। उन्होंने सभी भक्तों से संत और ब्राह्मणों की निस्वार्थ सेवा करने का संकल्प दिलाया। छठे दिन की कथा में आचार्य श्री ने कहा कि संसार आज केवल दौलत के पीछे भाग रहा है। इस अंधी दौड़ में मनुष्य न तो पूरी दौलत कमा पाता है और न ही अपने रिश्तों और परिवार को समय दे पाता है। उन्होंने कहा कि यह जिंदगी महज दो दिन की है, इसे हंसी-खुशी से जिएं। इसके बाद रुक्मिणी मंगल (विवाह) की कथा गाई गई, जिसका भक्तों ने भरपूर आनंद लिया। इस समय पड़ रही भारी गर्मी के बावजूद ग्राम नेवसा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन कथा स्थल पहुंच रहे हैं। कथा के मुख्य आयोजक समस्त राजपूत परिवार नेवसा टीकाराम, राम, रोहन, मोहन, जीवन सिंह, राजेंद्र सिंह, उपेंद्र सिंह एवं परिजन द्वारा पंडाल में आने वाले भक्तों के लिए ठंडे और मीठे जल की लगातार उत्तम व्यवस्था की जा रही है, जिसकी सभी सराहना कर रहे हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रथम क्षेत्र संचालक डॉ . एचएस पंवार का निधन

मंडला/खटिया। प्रख्यात वन्यजीव संरक्षणवादी, कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रथम क्षेत्र संचालक और देश के प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय हेमेन्द्र सिंह पंवार साहेब का 29 मई को सायं 4 बजे गुरुग्राम दिल्ली-एनसीआर में निधन हो गया। उनके अवसान से वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण जगत को एक ऐसी अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई असंभाव है। इस दु:खद खबर के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व परिवार सहित संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

इस दु:खद अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व के सदर कार्यालय परिसर में एक विशेष शोक सभा का आयोजन किया गया। क्षेत्र संचालक रवीन्द्र मणि त्रिपाठी और उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा सहित उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने

वन अमले सहित गाइड व वाहन चालकों ने जताया शोक, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री पंवार साहेब के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इसी क्रम में श्रद्धांजलि का यह सिलसिला कान्हा के अलग-अलग क्षेत्रों में भी देखा गया। खटिया ईको सेंटर में आयोजित एम-स्ट्राइप गश्ती एवं गणना कार्यशाला के शुभारंभ से पूर्व सहायक संचालक सिझोरा, वन परिक्षेत्र अधिकारी खटिया और विभिन्न वनमंडलों से आए अधिकारी-कर्मचारियों ने मौन रखकर उन्हें याद किया। पर्यटन प्रवेश द्वार खटिया में कान्हा के स्थानीय पर्यटन गाइडों, जिप्सी वाहन मालिकों और चालकों ने भी प्रवेश द्वार पर एकत्रित होकर अपने इस मार्गदर्शक को अश्रुपूरित विदाई दी। स्व. हेमेन्द्र सिंह पंवार साहेब मार्च 1974 से मई 1981 तक कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रथम क्षेत्र संचालक रहे। यह उनका दूरदर्शी नेतृत्व ही था, जिसके चलते कान्हा में वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन और संरक्षण की इतनी मजबूत नींव रखी गई। उनके ही प्रयासों से बाघों और दुर्लभ हार्ड ग्राउंड बारासिंघा के संरक्षण को नई दिशा मिली। उन्होंने पार्क के आंतरिक ग्रामों का ऐतिहासिक और सफल पुनर्स्थापन कराया, जिसके दम पर आज कान्हा देश के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित राष्ट्रीय उद्यानों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। बताया गया कि वे भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के प्रथम निदेशक तथा प्रोजेक्ट टाइगर नई दिल्ली के निदेशक के रूप में भी देश को अपनी महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय सेवाएँ दे चुके थे।

असाधारण योगदान के लिए मिले कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान-वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके असाधारण और ऐतिहासिक कार्यों के लिए उन्हें कई बड़े पुरस्कारों से नवाजा गया। वर्ष 1996 में आईयूसीएन का ट्री ऑफ लर्निंग अवार्ड, वर्ष 1998 में भारत सरकार का राजीव गांधी वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार, वर्ष 2002 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ का प्रतिष्ठित ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग कंजर्वेशन मेडल और वर्ष 2013 में भारत सरकार द्वारा देश का तृतीय सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उनके इस अतुलनीय और ऐतिहासिक योगदान को आने वाली पीढ़ियां सदैव श्रद्धापूर्वक स्मरण करती रहेंगी। कान्हा टाइगर रिजर्व परिवार ने स्व. हेमेन्द्र सिंह पंवार साहेब को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की हैं।

प्रधान पाठक सिंह और भृत्य उइके को दी भावभीनी विदाई

भुआबिछिया। संकुल क्षेत्र भीमड़ोगरी के अंतर्गत प्राथमिक शाला नेवसा के प्रधान पाठक टीकू सिंह मरकाम एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमड़ोगरी के भृत्य जेडी उइके के सेवानिवृत्त होने पर एक बेहद भावपूर्ण एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई समारोह में विद्यालय परिवार सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं विद्यालय स्टाफ ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबे, निष्ठावान और अनुकरणीय सेवाकाल की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके द्वारा शिक्षा जगत और विद्यालयीन व्यवस्था के सुचारु संचालन में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। उपस्थित वरिष्ठ जनों ने कहा कि दोनों कर्मचारियों द्वारा दी गई सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी और वह आने वाले स्टाफ व भावी पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्त्रोत का कार्य करेंगी।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की रही उपस्थिति

इस विदाई बेला के अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर, सरपंच ओमप्रकाश मरावी, करन सिंह मरावी, उपसरपंच हनुमान जाट, समाजसेवी अक्षय कुमार परते, अंतू झरिया एवं नारायण राय शामिल थे। इसके साथ ही शाला प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यगण, संस्था के प्राचार्य पीके पटेल, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह से किया सम्मान

कार्यक्रम के मुख्य चरण में उपस्थित अतिथियों द्वारा दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आदरपूर्वक शाल, श्रीफल, धार्मिक ग्रंथ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी ने एक स्वर में दोनों कर्मठ साथियों के भावी जीवन के लिए मंगलकामना की और उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय व दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। विदाई की इन घड़ियों में विद्यालय का पूरा वातावरण सम्मान और भावुकता से ओत-प्रोत नजर आया। अंत में उपस्थित सभी जनों ने दोनों विदा ले रहे कर्मियों को गले लगाकर और पैर छूकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अभिषेक शर्मा बने मध्य प्रदेश पंचायत सचिव संगठन के जिला अध्यक्ष

मंडला। मध्य प्रदेश पंचायत सचिव संगठन जिला मंडला के जिला अध्यक्ष पद पर अभिषेक शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष पद पर शैलेंद्र चंद्रोल का सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन किया गया। संगठन के पदाधिकारियों एवं ब्लॉक अध्यक्षों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोहर मरावी ने की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत द्वारा नियुक्त पर्वेक्षक प्रदेश संगठन मंत्री बाल किशन यादव, प्रदेश सह संयोजक माखन उईके, विजय यादव संभाग अध्यक्ष सहित जिले के सभी विकासखंडों के ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर नैनपुर, परसराम ठाकुर मंडला, प्यारे परते बीजाडांडी, लक्ष्मण पिटानिया निवास, मोगरे जी मवई, तिहारी जी मोहगांव, ब्लॉक अध्यक्ष नारायणगंज सहित जिले के सभी सचिव उपस्थित रहे। संगठन के

सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन, संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद

पदाधिकारियों ने अभिषेक शर्मा के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। उनके चयन पर संगठन के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पंचायत सचिवों की समस्याओं के निराकरण, संगठन की मजबूती तथा सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा मिलेगी तथा पंचायत सचिवों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष रखा जा सकेगा। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा को संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तंबाकू निषेध दिवस | कोटपा कानून का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई, तंबाकू छोड़ने के लिए जिला अस्पताल में मिलेगी एनआरटी थेरेपी

तंबाकू से प्रतिवर्ष होती हैं 13-14 लाख मौतें : डॉ .मरावी

मंडला। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आम लोगों और विशेषकर युवाओं को तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए जिले में एक विशेष मुहिम चलाई जा रही है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सीएमएचओ डीजे मोहंती के मार्गदर्शन में पूरे जिले में 31 मई तक नो टोबैको सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा अन्य विभागों के समन्वय से विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जिला नोडल अधिकारी डॉ. रानी मरावी ने राष्ट्रीय और भारतीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी साझा करते हुए एक चिंताजनक आंकड़ा पेश किया। उन्होंने बताया कि देश में प्रत्येक वर्ष लगभग 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू उत्पादों के सेवन के कारण हो जाती है। नोडल अधिकारी ने तंबाकू नियंत्रण कानून की विभिन्न धाराओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनका उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

बताया गया कि धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पूरी तरह निषेध है। उल्लंघन करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 5 के तहत तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रचार-प्रसार, विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप पर पूर्ण प्रतिबंध है। धारा 6 (अ) के अंतर्गत 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचना या उनके द्वारा बिकवाया जाना दंडनीय अपराध है। धारा 6 (ब) के तहत किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज की परिधि के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। धारा 7 के अंतर्गत सभी तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर मुख्य रूप से चित्रमय स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित होना अनिवार्य है।

शिक्षण संस्थानों को बनाया जाएगा तंबाकू मुक्त

डॉ. रानी मरावी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में स्कोर कार्ड के आधार पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे शैक्षणिक परिसरों को पूरी तरह तंबाकू मुक्त बनाया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में हुक्का बार का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। डॉ. रानी मरावी ने बताया कि जो लोग तंबाकू या सिगरेट छोड़ने के इच्छुक हैं, उनके लिए जिला चिकित्सालय में विशेष सुविधा उपलब्ध है। जिला नोडल अधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल के तंबाकू परामर्श केंद्र में तंबाकू उपयोगकर्ताओं की लत छुड़ाने के लिए मुफ्त काउंसलिंग की जाती है और इसके साथ ही निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी भी प्रदान की जाती है।

मंडला सीएमएचओ ने सख्त निर्देश जारी किए हैं कि जिले में तंबाकू नियंत्रण कानून (कोटपा) की धाराओं का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुस्तैदी से जांच की जाए और पाए जाने पर तत्काल वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाए।

मानवाधिकार जागरूकता पर विशेष युवा संवाद आयोजित

मंडला। नगर के ऐतिहासिक महिष्मति घाट पर मानवाधिकार जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारत सरकार के राष्ट्रीय सदस्य प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके सानिध्य में मंडला नगर के बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय सहभागिता की।

युवा संवाद के दौरान मंडला जिले के विकास को लेकर स्थानीय युवाओं ने मुख्य अतिथि प्रियंक कानूनगो से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सीधा संवाद किया। युवाओं ने क्षेत्र की समस्याओं, विकास की संभावनाओं और मानवाधिकारों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि ने युवाओं के प्रश्नों के उत्तर देते हुए देश और समाज के निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया और उनका उचित मार्गदर्शन किया। बौद्धिक विमर्श और प्रेरणादायक संवाद के बाद कार्यक्रम का समापन धार्मिक और सांस्कृतिक रंग में हुआ। मुख्य अतिथि प्रियंक कानूनगो सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी युवाओं और प्रबुद्ध जनों ने महिष्मति घाट पर मां नर्मदा की भव्य आरती में भाग लिया और जिले की सुख-समृद्धि की कामना की।